विषय Subject : Hindi Course-B

विषय कोड Subject Code : 085

परीक्षा का दिन एवं तिथि
Day & Date of the Examination : Saturday 29.02.2020

उत्तर देने का माध्यम
Medium of answering the paper : Hindi

प्रश्न पत्र के ऊपर लिखे कोड को दर्शाएँ : Write code No. as written on the top of the question paper :	Code Number	Set Number
	4/1/1	● ② ③ ④

अतिरिक्त उत्तर–पुस्तिका (ओं) की संख्या **No . of supplementary answer -book(s) used**	—
बेंचमार्क विकलांग व्यक्ति Person with Benchmark Disabilities — हाँ / नहीं **Yes / No**	No
विकलांगता का कोड (प्रवेश पत्र के अनुसार) Code of Disabilities (as given on Admit Card)	—
क्या लेखन – लिपिक उपलब्ध करवाया गया : हाँ / नहीं **Whether writer provided :** **Yes / No**	No
यदि दृष्टिहीन हैं तो उपयोग में लाए गये सॉफ्टवेयर का नाम : If Visually challenged, name of software used :	—

*एक खाने में एक अक्षर लिखें। नाम के प्रत्येक भाग के बीच एक खाना रिक्त छोड़ दें। यदि परीक्षार्थी का नाम 24 अक्षरों से अधिक है, तो केवल नाम के प्रथम 24 अक्षर ही लिखें।

Each letter be written in one box and one box be left blank between each part of the name. In case Candidate's Name exceeds 24 letters, write first 24 letters.

कार्यालय उपयोग के लिए
Space for office use

खण्ड - क

प्रश्न 1 (क) नैनो तकनीक के समर्थक दावा करते हैं कि जब यह अपने पूरे वजूद में आएगी तो धरती का नामोनिशान मिट जाएगा और नैनो रोबोट की स्वनिर्मित फौज पूरी तरह क्षत-विक्षत शव को पलक झपकते ही चुस्त-दुरुस्त इंसान में तबदील कर देगा। इस तकनीक के समर्थकों अनुसार यह विज्ञान का चमत्कार है जो समाज के अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी।

(ख) नैनो तकनीक की असीमित शक्ति से आशंकित विरोधियों का मत है कि यह तकनीक मिस्त्र के पिरामिडों में सोई ममियों से भी ज़्यादा अभिशप्त है। उनके अनुसार नैनो तकनीक का इस्तेमाल यदि गलत कामों के लिए किया जाए तो यह बेहद खतरनाक साबित हो सकती है।

(ग) नैनो तकनीक परमाणु और अणुओं को इकाई मानकर मनचाहा उत्पाद तैयार करना है। यह एक नई तकनीकी क्रांति का हिस्सा। ~~यह~~ इतनी शक्तिशाली है कि एक शव को चुस्त-दुरुस्त इंसान में बदल दे, वहीं दूसरी ओर तबाही मचा देने की भी शक्ति रखती है। ~~थ~~ इसके आने से

मानव जीवन पूरी तरह से बदल सकता है।

(घ) औद्योगिक क्रांति ने मनुष्य को प्रकृति का नियंत्रक बना दिया है। आदमी ने पत्थर के बेडौल हथियारों से शुरूआत कर, शिलाओं को छीलकर उन्हें कुल्हाड़ों और भालों की शक्ल में ढाला और इस उपलब्धि ने उत्पादकता की दृष्टि से उसे दूसरे जंतुओं की तुलना में लाभ की स्थिति में खड़ा कर दिया। औज़ारों को बेहतर बनाने का सिलसिला कई विस्मयकारी मसलों से गुज़रा और औद्योगिक क्रांति लाया।

(ङ) कार्बन के परमाणुओं की एक खास बनावट से कोयला तैयार होता है तो दूसरी बनावट से हीरा तैयार होता है। दोनों पदार्थों में परमाणुओं को भिन्न-भिन्न तरीके से सजाया गया है।

(च) प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक है - 'तकनीकी क्रांति'।

खंड - ख

प्रश्न 2 वाक्य में 'गई' पद है।
जब शब्द वाक्य में प्रयुक्त होकर व्याकरण के नियमों में बंध

जाता है तो पद कहलाता है।

प्रश्न-3 (क) कई बार मुझे डाँटने का अवसर मिला परंतु बड़े भाई साहब चुप रहे।

(ख) कई सालों से बड़े-बड़े बिल्डर समंदर को पीछे धकेल रहे थे ताकि वे उसकी ज़मीन हथिया सके।

~~(ग) आपका कहा मैंने सु~~
(ग) मैंने आपका कहा सुन लिया।

प्रश्न-4 (क)

	समास विग्रह	समास का नाम
(i) सप्तर्षि	सात ऋषियों का समूह	द्विगु समास
(ii) शरणागत	शरण में आगत	तत्पुरुष समास

(ख)

	समस्त पद	समास का नाम
(i) लंबा है उदर जिसका	लंबोदर	बहुव्रीहि समास
(ii) तन-मन-धन	तन-मन-धन	द्वंद्व समास

प्रश्न 5 (क) सभी श्रेणियों के लोग सभा में आए थे ।

(ख) ~~एक~~ ताँबे का एक बर्तन भी खरीद लेना ।

(ग) वे लौट आए हैं।

(घ) आप कभी हमारे घर आइए ।

प्रश्न-6 (क) हिंदी की परीक्षा में अच्छे अंक न आने पर मेरा चेहरा मुरझा गया ।

(ख) एक अभिनेता में आँखों से बोलने की कला का होना आवश्यक है ।

(ग) हिंदुस्तान अब आतंकियों का कम काम तमाम करने की नई रणनीति बना रहा है ।

(घ) युद्ध जीतने के पश्चात अपने दुश्मन की जान बख्श देना मूर्खतापूर्ण कदम है ।

खंड - ग

प्रश्न-7 (क) 26 जनवरी 1931 के दिन भारत के पहले स्वतंत्रता दिवस की पुनरावृत्ति होनी थी। इस दिन के लिए कलकत्ता में बहुत तैयारियाँ हुई व कलकत्ता के माथे पर स्वतंत्रता में कोई योगदान न देना का जो कलंक था वह भी धुल गया। कड़ी पुलिस सुरक्षा के बावजूद पहले से ही सार्वजनिक कर कानून भंग किया गया। पहले कभी इतने लोग कानून भंग करने इकट्ठे न हुए थे। पुलिस की लाठियाँ खाकर भी लोग अडिग खड़े रहे और स्त्रियों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया व 105 स्त्रियाँ गिरफ़्तार हुई। यह दिन बहुत विशेष था।

(ख) बड़े भाई साहब के नरम पड़ते ही छोटे भाई की स्वच्छंदता बढ़ गई। वह बड़े भाई के डर से जितना पढ़ लिया करता था वो भी बंद कर दिया तथा खेल-कूद में ही सारा समय ~~खर्च~~ बिताने लगा।

मेरे विचार से छोटे भाई का व्यवहार उचित नहीं था। ज़रूरी नहीं कि पढ़ने के लिए जब तक कोई न ~~डाँटे~~ कहे तब तक आप पढ़े ही नहीं। अनुशासनहीनता बिलकुल सही नहीं। खेल-कूद करना चाहिए परंतु पढ़ाई के साथ।

(ग) कर्नल कालिंज का खेमा जंगल में वज़ीर अली को गिरफ़्तार करने के लिए लगा हुआ था क्योंकि उसने कंपनी के वकील का कत्ल किया था और अब नेपाल भागकर अंग्रेज़ों के विरुद्ध सेना एकत्र करना चाहता था। कर्नल ने कई सालों से खेमा डाल रखा लगाया हुआ था परंतु वज़ीर अली उन्हें चकमा दे जाता और कभी उनके हाथ नहीं लगा।

प्रश्न-8 मानव की इच्छाएँ व लालसा दिन बढ़ती जा रही हैं जिनकी पूर्ति हेतु वह प्रकृति का अनुचित दोहन कर रहा है। समंदर को पीछे सरका कर, उसकी ज़मीन पर बस्तियाँ बना रहा है, पेड़ों को काटता जा रहा है जिसके कारण कई परिंदे व जानवर अपना घर खो बैठे हैं, बारूदों की विनाशलीलाओं से वातावरण प्रदूषित हो चुका है। प्रकृति के साथ की जा रही अनावश्यक छेड़खानी का परिणाम हैं:- बेवक्त बारिश, सूखा, तूफान, सैलाब, ज़लज़ले एवं नित नए रोग। कहीं सूखा पड़ा है तो कहीं सैलाब है, तो कहीं कोरोना वायरस जैसी लाइलाज बीमारी का आतंक है। यह सब प्रकृति से छेड़छाड़ के दुष्परिणाम हैं। प्रकृति भी एक हद तक दोहन सहती है और जब उसे गुस्सा आता है तो मंज़र कुछ उन तीन जहाज़ों की तरह होता है जिन्हें समुद्र ने उठाकर बच्चों की गेंद की तरह फेंक दिया था।

इसलिए मनुष्य को ~~बेचर~~ प्रकृति की शक्ति पहचान, उसके साथ लगातार किए जा रहे दुर्व्यवहार को तुरंत रोकने की आवश्यकता है।

प्रश्न 9 (क) 'आत्मत्राण' कविता में कवि विपदा में ईश्वर से कोई सहायता की कामना नहीं करता। वह चाहता है कि ईश्वर उसे शक्ति प्रदान करें कि वह प्रतिकूल परिस्थितियों में भी व्याकुल व विचलित न हो और अपने पौरुष एवं आत्मबल के आधार पर उसका सम सामना करे। वह ऐसा इसलिए चाहता है क्योंकि वह अपनी कठिनाइयों से खुद जूझना चाहता है ताकि उसका व्यक्तित्व और निखरे। वह ~~विपदाओं~~ चाहता है कि विपदाओं के समय भी उसकी ईश्वर में आस्था बनी रहे और ईश्वर पर कभी संदेह न हो।

(ग) कबीर निंदक को अपने निकट रखने का परामर्श इसलिए देते हैं क्योंकि निंदक हमारे स्वभाव को निर्मल बनाने में सहायक होता है। निंदक सदा हमें हमारी बुराइयों व कमियों से अवगत कराता है। ऐसा करना से वह हमें उन कमियों को सुधारने का अवसर देता है क्योंकि अक्सर हम अपनी कमियाँ पहचान नहीं पाते और जानते भी हैं तो परिश्रम नहीं करना चाहते। निंदक हमें इन्हीं गलतियों व कमियों को सुधारने के लिए बार-बार उकसाता रहता है।

(घ) प्रस्तुत पंक्तियों में मीरा श्रीकृष्ण से कहत को द्रौपदी का उदाहरण देकर उनकी भी मदद करने को कहती हैं क्योंकि वे जानती हैं कि कृष्ण भक्त वत्सल हैं। वे कहती हैं कि जिस प्रकार चीर हरण के समय श्रीकृष्ण ने द्रौपदी का चीर बढ़ाकर उसके सम्मान की रक्षा करी एवं उसकी सहायता की उसी प्रकार वे मीरा को भी आवागमन के चक्र से मुक्त कर उनकी सहायता करें।

प्रश्न-10 'मनुष्यता' कविता हमें परोपकारी व उदार बनने की सीख देती है।

(-) मनुष्य को अन्य प्राणियों से प्रबल चेतना शक्ति मिला है इसलिए वह दूसरा का भला करने में भी समर्थ है। स्वार्थ के लिए तो पशु भी जीते हैं परंतु मनुष्य जीवन की सार्थकता तभी है जब वह परहित के लिए काम करे। ऐसे उदार मनुष्यों को मृत्यु के बाद भी याद किया जाता है। कवि दधीचि, कर्ण एवं रंतिदेव का उदाहरण देकर हमें भी बलिदानी बनने की प्रेरणा देता है। हमें कभी भी पैसों के अहंकार में नहीं रहना चाहिए क्योंकि यह एक तुच्छ वस्तु है। कीमती तो ईश्वर का आशीर्वाद है जो सभी मनुष्यों पर को बराबर मिलता है क्योंकि ईश्वर ने हम सभी को बराबर बनाया है। हम सभी उसकी संतान हैं, एक-दूसरे के भाई-बहन है इसलिए हमें सदा एक

दूसरे की प्रति संवेदनशील होना चाहिए, एक-दूसरे का भला करना चाहिए तथा मिलजुलकर रहना चाहिए। अपनी उन्नति के लिए नहीं, बल्कि जो दूसरों की उन्नति के लिए संघर्षरत रहता है वही आदर्श मानव कहलाता है।

प्रश्न 1. (क) टोपी को अपनी दादी से नफ़रत थी, वे सदा टोपी को डाँटती रहती तथा कभी उससे स्नेहपूर्वक बात न करतीं जबकि इफ़्फ़न की दादी उससे प्रेम एवं स्नेह करती थीं। उनकी बोली भी टोपी को अच्छी लगती थी क्योंकि वह उसकी माँ की बोली जैसी थी। जो अपनापन टोपी को घर में न मिलता, वह उसे इफ़्फ़न की दादी के साथ मिलता था। इसलिए उसने दादी बदलने की बात कही।
इससे यह पता चलता है कि बालमन प्रेम के सिवा और कुछ नहीं समझता। धर्म, जाति व उम्र प्रेम के रिश्ते में बाधक नहीं होते। बालमन सरल एवं निष्कपट होता है जो बिना स्वार्थ के, जहाँ प्रेम मिलता है वहाँ चला जाता है।

(ख) लेखक व उसके साथ के सभी बच्चे रोते-पिटते स्कूल जाते थे। उन्हें स्कूल एक कैद की भाँति प्रतीत होता था। मास्टरों की पिटाई के डर से उन्हें स्कूल जाना अच्छा नहीं लगता था। न ही उनकी पढ़ाई में कोई ज़्यादा दिलचस्पी थी। छोटी सी गलती हो जाने पर भी चमड़ी उधेड़ने की उनके स्कूल की परंपरा के कारण लेखक को स्कूल के नाम से उदासी आती, साथ ही मुश्किल पढ़ाई का भी डर बना रहता।

मुझे स्कूल जाना अच्छा लगता है। इसका कारण है मेरे मित्र और कुछ अध्यापक जो या तो अच्छा पढ़ाते हैं अथवा उनका स्वभाव अच्छा है। स्कूल जाने का एक बड़ा कारण खेल का पीरियड भी है। पढ़ाई में मेरी इतनी रुचि नहीं जितना दोस्तों के साथ खेलने व अध्यापकों से धर्म क चर्चा करने में है।

खण्ड-घ

प्रश्न 12 (क)

सत्संगति

एक गला हुआ फल सभी को गला देता है जबकि एक पका हुआ फल सभी फलों को पका देता है। कुछ इसी प्रकार का प्रभाव, संगति का

मानव पर भी होता है। सत्संगति का अर्थ अच्छे लोगों की संगति तो है ही परंतु शांत व शुद्ध वातावरण एवं अच्छे विचारों का भी हम पर बहुत असर पड़ता है। मन सदा लक्ष्य की ओर केंद्रित रहता है व इधर-उधर नहीं भटकता। जैसा एक बच्चा अपने माता-पिता के व्यक्तित्व का प्रतिबिंब होता है उसी प्रकार संगति का असर हमारे व्यवहार पर भी होता है। जहाँ सत्संगति हमें सफलता की राह पर ले जाती है, वही कुसंगति असफलता के गर्त में गिरा देती है। गलत काम करना धीरे-धीरे हमारी आदत में शुमार हो जाता है और पूरा व्यक्तित्व विषैला हो जाता है। ~~उदाहरण के लिए~~ अंगुलीमाल का जीवन इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। एक डाकू से मिलने के पश्चात वह भी एक लुटेरा व हत्यारा बन गया और बुद्ध की शरण में आकर ऐसा महापुरुष बना जिसे आज भी लोग याद रखते हैं। अतः व्यक्ति को अपनी संगति का चुनाव सोच-समझकर करना चाहिए। कबीर भी अपने एक दोहे में बताते हैं कि किस प्रकार एक ही पानी की बूँद मोती का रूप भी धारण कर सकती है और विष का भी, फ़र्क है तो सिर्फ़ इस बात का कि वह बूँद किसके संपर्क में आती है। हमें भी ध्यान रखना चाहिए कि हम किन लोगों के संपर्क में आ रहे हैं। सिर्फ़ दिन में एक घंटा कीर्तन में जाकर सत्संगति में बैठ जाना नहीं कहलाता, वहाँ पर कीर्तन कर रहे लोगों का मन यदि कपट से भरा है तो आप कुसंगति में ही हैं। जिनके साथ पूरा दिन बिताना है वे लोग यदि सज्जन तो आपकी सफलता के रास्ते खुल जाते हैं।

प्रश्न-13

परीक्षा भवन
सर्वोदय विद्यालय
दिल्ली - 32

29 फरवरी 2020

सेवा में

प्रधानाचार्य
सर्वोदय विद्यालय
दिल्ली - 32

विषय - स्कूल के बाद विद्यार्थियों को नाटक का अभ्यास करवाने के लिए अनुमति माँगने हेतु

महोदय
मैं किशोर छात्र - परिषद का सचिव हूँ। 8 मार्च को होने जा रहे होली के अवसर पर होने जा रहे नाटक की तैयारी ज़ोर-शोर से चल नहीं हो पा रही क्योंकि जब कक्षाएँ चल रही होती हैं तो हम अभ्यास नहीं कर पाते।

आपसे सविनय अनुरोध है कि 7 मार्च को हमें स्कूल के बाद नाटक का अभ्यास करने की अनुमति प्रदान करें ताकि हम मुख्य अतिथि के सामने अच्छा प्रदर्शन कर अपने स्कूल का नाम रौशन करें। हम स्कूल के पश्चात 3:30 बजे तक अभ्यास करने की अनुमति चाहते हैं। आपसे निवेदन ~~हैं~~ कि कृपया हमें यह अनुमति प्रदान करें।

आपका आज्ञाकारी
किशोर ~~कुमार~~
सचिव
छात्र - परिषद

प्रश्न-15 किशोर - अरे मित्र अशोक! खेलने नहीं आ रहे क्या? देख 7 बज गए हैं। जल्दी आ।

अशोक - तू मूर्ख है क्या, कल बोई की परीक्षा है और तुझे खेलने की सूझी है।

किशोर - पर तूने तो कहा था कि तेरी तैयारी पूरी हो गई।

अशोक - पर तब भी, मेरा खेलने का मन नहीं है। मुझे अब परेशान मत कर

किशोर - देख अशोक, मन-वन की कोई बात नहीं। क्यों बेमतलब उतावला

हो रहा। जब तैयारी हो गई तो टेंशन मत ले।
अशोक - ~~कोई~~ टेंशन होनी चाहिए किशोर, बोर्ड की परीक्षाओं में जो अंक आएँगे, वही आगे जीवन निर्धारित करते हैं।
किशोर - टेंशन लेने से तो कोई अच्छे अंक नहीं आता। पढ़ना ज़रूरी है पर साथ में खेल-कूद भी। इससे तेरी सारी टेंशन, तनाव झट से दूर हो जाएगा।
अशोक - कहते तो तुम ठीक हो, पर अगर अच्छे अंक नहीं आए तो?
किशोर (कुछ देर सोचकर) - तो मैं तुझे समोसा खिलाऊँगा।
अशोक - तू मूर्ख का मूर्ख ही रहेगा, चल आता हूँ मैं नीचे।
किशोर - अब मैं इतना भी खास नहीं।

14. ~~सी.सी. कॉलोनी~~ कल्याण परिषद
~~सूचना~~

14.

सी. सी. कॉलोनी कल्याण परिषद्
सूचना

21 फरवरी 2020

पार्कों की साफ़-सफ़ाई

सभी कॉलोनी वासियों से अनुरोध कि हमारे क्षेत्र के सभी पार्कों की में साफ़-सफ़ाई बनाए रखें। अपने घर का कूड़ा एवं खाद्य पदार्थों के पैकेट पार्कों में न फेंके। यदि गंदगी बढ़ेगी तो उससे पैदा होने वाली मक्खियाँ व तिलचट्टे हमें और हमारे बच्चों को ही बीमार करेंगे। अपने क्षेत्र में साफ़-सफाई रखना हम सभी का कर्तव्य है। यदि आपको कहीं कूड़े का ढेर दिखता है तो तुरंत निम्नलिखित को सूचित करें और स्वच्छता बनाए रखने में योगदान दें।

किशोर

किशोर कुमार
सचिव, सी. सी. कॉलोनी कल्याण परिषद

16. ईशा लिमिटेड

लेखनी पेन

चले मक्खन सा मुलायम

→ लिखे दस हज़ार मीटर तक
→ आकर्षक मैटालिक रंगों में उपलब्ध
→ कभी न टूटने वाली निब
→ काले, नीले एवं हरी स्याही में उपलब्ध

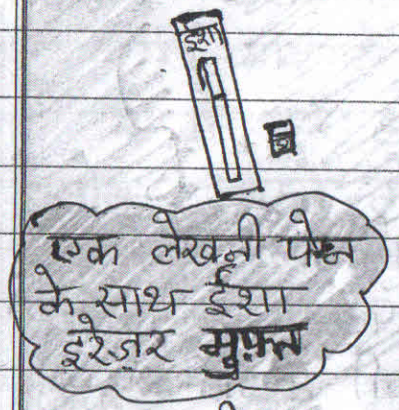

तो आज ही अपनी नज़दीकी स्टेशनरी दुकान से खरीदिए

ज़्यादा जानकारी के लिए - www.eshalimitedproducts.com

Good